प्रवाह

Pavaah

canaava ivaSaYaak

पिलानी ▪ शुक्रवार ▪ 29 अगस्त– 2008

B I T S P I L A N I

सिंहासन का फाइनल

रचित चंद्रा

संकाय: B.E. Computer Science and Engineering

पता: 295, बुद्ध भवन

पैतृक स्थान: ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश)

सामाजिक जीवन:

१. सदस्य , Department of Publications and Correspondence

२. उपाध्यक्ष, Center for Entrepreneurial Leadership

३. Professional Assistant , पी.एम्.आर.यू.

नितेश कुमार सिंह

संकाय:MSc.(Hons.) Chemistry

पता:102, कृष्ण भवन

पैतृक स्थान:जमशेदपुर, झारखण्ड

सामाजिक जीवन:

1)student union volunteer

2)H-rep, व्यास भवन

3)सदस्य, NSS

रवि तेजा जोनाला

संकाय:MSc.(Tech) Information Systems

पता:117, बुद्ध भवन

पैतृक स्थान:हैदराबाद, आंध्र प्रदेश

सामाजिक जीवन:

1) प्रत्याशी, H-rep

२)ex-com आंध्र समिति

3)सदस्य, निर्माण

पवन चंद

संकाय:MSc.(Tech) Information Systems

पता:158, बुद्ध भवन

पैतृक स्थान:हैदराबाद, आंध्र प्रदेश

सामाजिक जीवन:

1)संयोजक, VKC

2)सदस्य, निर्माण

hDtala

बिट्स में चल रही मजदूरों की हड़ताल 58 दिनों के बाद ख़त्म हुई | इसकी शुरुआत तब हुई थी जब बिट्स प्रशासन ने कुछ कर्मचारियों को निलंबित कर दिया | कुछ कर्मचरियों ने इसके खिलाफ़ बिना किसी अल्टीमेटम के हड़ताल चालू कर दी | एक महीने के बाद भी बिट्स प्रशासन पर इसका कोई असर न पड़ते देख इन लोगों ने हड़ताल वापिस लेने का विचार किया तथा एक महीने की पगार और टेंट आदि का खर्चे की मांग की जिसे फ़िर से नकार दिया गया | हड़ताल वापस चालू कर दी गई और इस बार आमरण अनशन वाले टोटके भी अपनाए गए | अंततः बिट्स प्रशासन ने दोनों पक्षों को स्वीकार्य एक उपाय निकाला | मजदूरों की हड़ताल अब समाप्त हो चुकी है | BITS का काम अब सुचारू रूप से चल रहा है और मजदूर इस समाधान से संतुष्ट हैं |

कुलदीप

बिट्स के समाज के विभिन्न तबकों में फैली हुई समस्याओं से जूझता रहा हूँ :-रचित चंद्रा

सवाल: ***यूनियन के प्रेसीडेंट पद के उम्मीदवार के रूप में आपकी यू.एस.पी क्या है? आप किन मायनों में पिछले प्रेसीडेंट एवं अपने प्रतिद्वंदियों से बेहतर हैं?***

मुझसे पहले जो यूनियन के प्रेसीडेंट रहे हैं और अभी जो मेरे विपक्ष में प्रत्याशी हैं, वे निश्चित रूप से योग्य हैं.मैं अपनी ख़ास काबिलियत इस बात में देखता हूँ की पिछले दो वर्षों में मैं बिट्स के समाज के विभिन्न तबकों में फैली हुई समस्याओं से जूझता रहा हूँ. मैंने सी.ई.एल के सदस्य के रूप में मेस कर्मचारियों को अतिरिक्त रोज़गार मुहैया कराकर उनकी माली हालत सुधारने की की कोशिश की है.

सवाल: ***आपका बजट कितना है? इसका स्रोत क्या है?***

मेरा चुनाव बजट 2200 रुपये है. इसका जरिया मेरी निजी संपत्ति है.

सवाल: ***कई बार आपके बारे में कहा गया है की आप एक अराजनैतिक व्यक्ति रहे हैं,जिसे स्टुडेंट यूनियन के भीतर की गतिविधियों का कम तजुर्बा है. आपका इस बारे में क्या कहना है?***

मैं ऐसा नहीं मानता कि मैंने एक लिमिटेड ग्रुप के साथ काम किया है.OASIS में पी.सी.आर के सदस्य के रूप में मुझे समाज और यूनियन कि गतिविधियों को काफ़ी करीब से देखने का मौका मिला है. आम जनता और प्रबंधन में फर्क बिट्स में बहुत कम है क्योंकि यहाँ लगभग हर छात्र/छात्रा प्रबंधन का हिस्सा है इसलिए मेरी आम जनता के साथ काम न करने वाली छवि सही नहीं है.

सवाल: ***क्या किसी व्यक्ति का वोट इस बात पर निर्भर करता है कि वह किस क्षेत्र से है या किस डिपार्टमेन्ट या क्लब का हिस्सा है? क्या क्षेत्रीय या दलगत हितों के लिए वोट देना ग़लत है?***

हाँ, एक व्यक्ति का वोट उसकी क्षेत्रीय पृष्ठभूमि एवं डिपार्टमेन्ट पर अवश्य निर्भर करता है. मैं ऐसी इकट्ठी वोटिंग के पक्ष में नहीं हूँ,क्योंकि वोट देते समय आपका मतलब बिट्स के हित से होना चाहिए न कि उन हितों से जो छोटे छोटे गुटों से सम्बद्ध हैं.

सवाल: ***पिछले साल की यूनियन द्वारा किए गए वादों में से जो अधूरे रह गए हैं, उनको पूरा करने की आपकी क्या योजना है?***

मैंने हरि (पूर्व प्रेजिडेंट) और अर्जुन (पूर्व जेन-सेक) से बात की है. हमारे पास काफ़ी सीमित संसाधन हैं और कई चीज़ें करनी बाकी हैं. हाँ ये कार्य पिछले साल भी किए जा सकते थे पर किन्हीं कारणों से अधूरे रह गए. इस बार मेरी प्राथमिकता पहले उन योजनाओं की ओर रहेगी जिन पर जनता मुझे चुनेगी . पुरानी योजनाओं को भी पूरा करने की कोशिश होगी.

सवाल*:* ***अगर मान लीजिये कि आप ये चुनाव हार जाते हैं, इस सूरत में आपके सामाजिक जीवन का क्या लक्ष्य होगा?***

मेरा सामाजिक जीवन ख़त्म नहीं होगा.मैं अपने विचारों को यूनियन के निर्वाचित सदस्यों के सामने रखूँगा. इस बार मुझे कैम्पस में कई नए लोगों से मिलने का मौका मिला है.

उनके सहयोग से मैं जन कल्याण के कार्यों को और भी बड़े स्तर पर चला सकूँगा.

जनता के लिए काम करना व सेवा करना मेरा शौक

:- नितेश कुमार सिंह

सवाल:*आपका चुनाव में खड़े होने का मुख्य कारण क्या है? क्या अपने किसी से प्रेरणा ली?*

चुनाव लड़ने की प्रेरणा मुझे २ वर्ष पूर्व बिट्स के gen sec रहे अजित प्रताप सिंह से मिली जब मैं उनके साथ रेल आरक्षण के काम से गया | जनता के लिए काम करना व सेवा करना मेरा शौक है| bitsian जनता का प्रतिनिधि बनने की मेरी असीम इच्छा है|

सवाल:*आप के हिसाब से आप में ऐसी क्या योग्यता है ,जिसके बल पर आप अपने आप को 4000 bitsians का प्रतिनिधित्व करने के काबिल मानते हैं ?*

मैं नहीं मानता कि मुझ में कोई विशेष बात है | मैं जनता से जुड़ा हुआ व्यक्ति हूँ बस यही मेरे लिए काफी है |

सवाल:*आपके चुनाव प्रचार का खर्च कहाँ से आता है ?*

यह खर्च मैं स्वयं उठा रहा हूँ |

सवाल:*अपने manifesto का सबसे प्रमुख बिन्दु आप क्या मानते हैं ?*

student union के मामलों में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सबसे प्रमुख अंश है| मैं पिछले २ वर्षो से SU से जुड़ा रहा हूँ | पिछले वर्ष H-Rep भी रह चुका हूँ |

सवाल:*T.I.M.E. से आपकी क्या बात हुई है? आपने I.M.S. से बात क्यों नही कि जिनसे पिछली बार के एक प्रत्याशी पहले ही काफी बात कर चुके थे |*

वे बिट्स की जनता को DISCOUNT देने को तैयार है | मेरे अनुसार T.I.M.E. faculty काफी अच्छी है | किंतु अगर छात्र चाहें तो मैं बाकी संस्थानों से भी बात करने के लिए तैयार हूँ | तारीख इत्यादि देने की स्थिति में फिलहाल मैं नहीं हूँ |

सवाल: *BITS fest के विषय में हमें विस्तार से बतायें ....*

इसका आयोजन एक से दो दिन के लिए किया जाएगा...जिसमे BITS के विभिन्न क्षेत्रीय assocs को अपनी कला एवं संस्कृति का प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा |

सवाल: *आप प्रत्येक भवन में वेंडिंग मशीन लगवाने के बारे में क्या कहना चाहन्गे ?*

मैं प्रत्येक भवन के शायद common rooms में वेंडिंग मशीन लगवाऊंगा जिससे भवन में ही रिफ्रेशमेंट की सुविधा हो | इसके लिए मैंने PEPSI से बात की है और वे इस मशीन को हमारे होस्टलों में मुफ्त में लगाने के लिए तैयार हैं |

सवाल: *EC द्वारा आप पर ३ दिन का प्रतिबन्ध लगा गई | इसके बारे में आप क्या कहना चाहेंगे ?*

देखिये यह मेरे लिए अत्यन्त खेद का विषय है| इसका सही कारण मुझे स्वयं नही पता | मुझे बस इतना बताया गया कि मुझ पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है | मैं ख़ुद इसका कारण जानना चाहूँगा |

सवाल:*BITS की जनता को आप क्या संदेश देना चाहेंगे ?*

उ. मैं चाहूँगा कि BITS की जनता आत्मावलोकन करे व manifesto की सार्थकता पर विचार करे तथा मेरे अनुभव एवं अपने मत का प्रयोग सुचारु रूप से करें |

विकल्प,सुखद

ताज़ा समाचार मिलने तक नितेश कुमार सिंह के candidature को चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया है | उनपर जनता को अपने प्रतिबन्ध के बारे में गुमराह करने एवं प्रतिपक्ष के उम्मीदवार को प्रतिबन्ध-काल के दौरान बदनाम करने का आरोप है | हमने चुनाव आयोग से आचार संहिता के बारे में कुछ दिन पहले जो बातचीत की थी उसमें उन्होंने इस तरह की घटनाओं के बारे में आशंका जताई थी| उस वार्तालाप के मुख्य अंश पृष्ठ 7 पर हैं |

मैं ट्रस्ट फैक्टर लाना चाहता हूँ : रवि तेजा

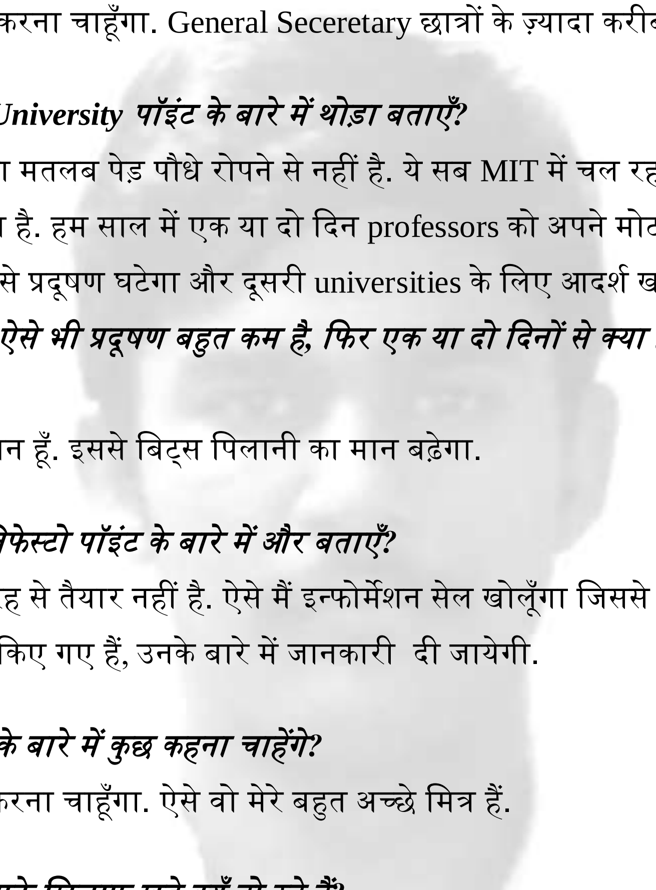

सवाल: *आप पिछले साल के General Secretary से अपने आप को किस मायने में बेहतर समझते हैं?*
मैं अपने आप को और उन्हें दो खानों में तोलना नहीं चाहूँगा , पर हाँ अपने कार्य करने का तरीका उनसे बेहतर रखना चाहूँगा .

सवाल: ***General Secretary के पद पर खड़े होने का ख्याल कहाँ से आया?***
मैं बिट्स के लिए कार्य करना चाहूँगा. General Seceretary छात्रों के ज़्यादा करीब होता है, बस इसलिए.

सवाल: ***अपने Green University पॉइंट के बारे में थोड़ा बताएँ?***
Green University का मतलब पेड़ पौधे रोपने से नहीं है. ये सब MIT में चल रहा है. ये प्रदूषण और बिजली को बचाने से मतलब रखता है. हम साल में एक या दो दिन professors को अपने मोटर वाहन को छोड़कर रिक्शा या पैदल आने बोलेंगे . इससे प्रदूषण घटेगा और दूसरी universities के लिए आदर्श खड़ा होगा.

सवाल: ***पिलानी में तो ऐसे भी प्रदूषण बहुत कम है, फिर एक या दो दिनों से क्या होगा? ये क्या सिर्फ़ एक लुभावना पॉइंट है?***
मैं एक आशावादी इन्सान हूँ. इससे बिट्स पिलानी का मान बढ़ेगा.

सवाल: ***आप अपने मनिफेस्टो पॉइंट के बारे में और बताएँ?***
मेरा मनिफेस्टो पूरी तरह से तैयार नहीं है. ऐसे मैं इन्फोर्मेशन सेल खोलूँगा जिससे जितने भी MoU बिट्स के द्वारा अन्य संस्थानों के साथ किए गए हैं, उनके बारे में जानकारी दी जायेगी.

सवाल: ***अपने विरोधी के बारे में कुछ कहना चाहेंगे?***
मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूँगा. ऐसे वो मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं.

सवाल: ***मित्र हैं, तो आपके खिलाफ खड़े क्यूँ हो रहे हैं?***
कुछ पर्सनल प्रॉब्लम थी. ऐसे भी हमारे मनिफेस्टो पोईन्ट्स अलग हैं और कुछ ग़लतफ़हमी हो गई थी.

सवाल: ***एक ऐसी चीज़ जो आप general secretary बनकर बदलना चाहेंगे?***
मैं ट्रस्ट फैक्टर लाना चाहता हूँ. यहाँ बहुत सारे प्रोफ़ेसर और छात्र पद ग्रहण करने के बाद कार्य ठीक से नहीं करते . मैं उसमे सुधार लाना चाहूँगा |

हर्ष,प्रेम

मैं आम छात्रों के बीच में रहना चाहता हूँ: पवन चंद

सवाल: *आप अपने पिछले साल के जेनेरल सेक्रेटरी से क्या प्रेरणा लेते हैं? और अपने आप को किन मायनों में उनसे बेहतर मानते हैं?*

मैंने पिछले साल के जेनेरल सेक्रेटरी अर्जुन कामथ से मुलाक़ात की है | मैं अपने आप को उनसे बेहतर नहीं मानता हूँ|मैं उन्हें अपना आदर्श मानता हूँ और उन्हें प्रेरणा का केन्द्र मानता हूँ |

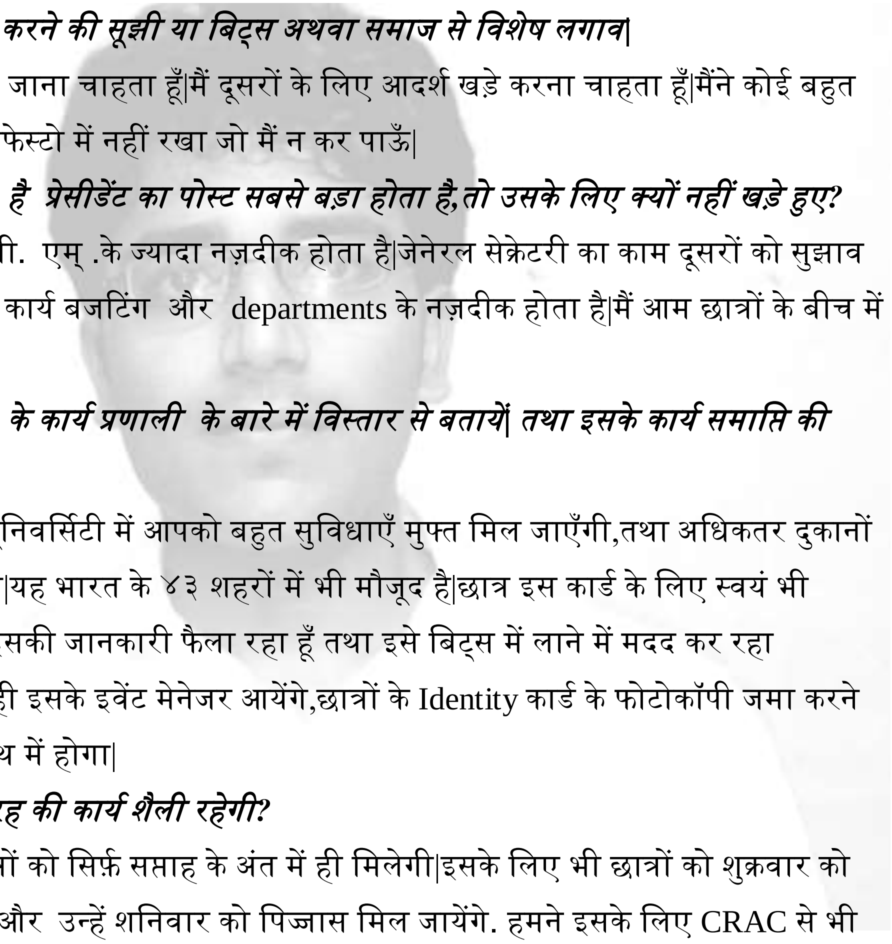

सवाल:*जेनेरल सेक्रेटरी के पद पर खड़े होने की प्रेरणा कहाँ से मिली? मेरा आशय है कि अपने आप को एक एडमिनिस्ट्रेटर के रूप में टेस्ट करने की सूझी या बिट्स अथवा समाज से विशेष लगाव|*

मैं आगे जाकर सिविल line में जाना चाहता हूँ|मैं दूसरों के लिए आदर्श खड़े करना चाहता हूँ|मैंने कोई बहुत ही लुभावना पॉइंट अपने मनिफेस्टो में नहीं रखा जो मैं न कर पाऊँ|

सवाल:*यह बात तो सर्वमान्य है प्रेसीडेंट का पोस्ट सबसे बड़ा होता है,तो उसके लिए क्यों नहीं खड़े हुए?*

जेनेरल सेक्रेटरी का कार्य जी.बी. एम् .के ज्यादा नज़दीक होता है|जेनेरल सेक्रेटरी का काम दूसरों को सुझाव देने वाला होता है|प्रेसीडेंट का कार्य बजटिंग और departments के नज़दीक होता है|मैं आम छात्रों के बीच में रहना चाहता हूँ|

सवाल: ***AIESEC और ISIC के कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से बतायें| तथा इसके कार्य समाप्ति की अवधि बतायें|***

AIESEC के ज़रिये विदेशी यूनिवर्सिटी में आपको बहुत सुविधाएँ मुफ्त मिल जाएँगी,तथा अधिकतर दुकानों पर कुछ छूट भी मिल जायेगी|यह भारत के ४३ शहरों में भी मौजूद है|छात्र इस कार्ड के लिए स्वयं भी रजिस्टर कर सकते हैं|मैं बस इसकी जानकारी फैला रहा हूँ तथा इसे बिट्स में लाने में मदद कर रहा हूँ|इलेक्शन के कुछ दिन बाद ही इसके इवेंट मेनेजर आयेंगे,छात्रों के Identity कार्ड के फोटोकॉपी जमा करने के २ घंटे में ही कार्ड उसके हाथ में होगा|

सवाल:*डोमिनोस की किस तरह की कार्य शैली रहेगी?*

DOMINOS की सुविधा छात्रों को सिर्फ़ सप्ताह के अंत में ही मिलेगी|इसके लिए भी छात्रों को शुक्रवार को मेस में रजिस्टर करना पड़ेगा और उन्हें शनिवार को पिज्जास मिल जायेंगे. हमने इसके लिए CRAC से भी बात कर ली है और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है.

सवाल : ***एक ऐसी चीज़ जिसे आप general secretary बनने के बाद बदलना चाहेंगे?***

मैं सारे क्लब और डिपार्टमेन्ट के बीच में समन्वय की भावना पैदा करना चाहूँगा . मैं चाहूँगा कि क्लबों और डिपार्टमेन्ट काम करने का आधार प्रतिस्पर्धा नहीं होकर समन्वय होना चाहिए |

हर्ष,प्रेम

सिर्फ़ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं !

आज तक जब भी मैं अगस्त के महीने में कैम्पस में आता हूँ, मेरे मित्रों कि संख्या में अजीब सी बढ़ोतरी होती है. बरसात के महीनों में कई ऐसे ' बरसाती दोस्त और परिचित' मिलते हैं जो दाएँ हाथ को हल्का सा ऊपर उठाकर 'हाय' करते हैं और मुफ्त में अपनी बेशकीमती बत्तीसी चमकाते हैं.

कभी कभार वे आपको कोने में ले जाकर पूछेंगे -" और यार! बता , सब बढ़िया? तब अकैड्स कैसे चल रहे हैं तेरे? पता है, 'अपना' -------- इस बार H-REP / PREZ के लिए खड़ा हो रहा है? वोट देने ज़रूर आना .' इतने में उम्मीदवार दो उंगलियाँ हिलाकर आपका अभिवादन करता है और बिना कुछ कहे-सुने ये इशारा कर देता है कि आप वोट करने किसे आओगे .

ये बात निश्चित ही सही है कि चुनाव आयोग ने चुनावों की व्यवस्था को दुरुस्त और ईमानदार रखने का सराहनीय काम किया है,फिर भी इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि आज भी आदमी चुनाव जीतने के लिए अपने 'स्टेट' या 'डिपार्टमेन्ट' के करीबी लोगों पर निर्भर करता है .

जनमत का एक बड़ा हिस्सा चुनावी गतिविधियों से उदासीन है. जब हम किसी उम्मीदवार को वोट देते हैं, तो हम खुद को भी 'वोट आउट' करते हैं . अपनी ज़िम्मेदारी मात्र निभाने को हम एक छुट्टी के दिन कुछ नीले - पीले कागजों पर टिक मारकर निकल लेते हैं. ऐसे लोग अपने हित का फ़ैसला कुछ 'प्रभावी लोगों' पर छोड़ देते हैं जो या तो उनके राजनैतिक रूप से सक्रिय डिपार्टमेन्ट वाले मित्र होते हैं या क्षेत्रीय संगठनों के सेक्रेटरी. इसलिए आश्चर्य की बात नहीं है कि उम्मीदवार भी ऐसे 'वोट लाने वाले बन्दों' के आगे पीछे दौड़ते नज़र आते हैं. जनतंत्र को भेड़ - तंत्र बनाने वाले लोग बस बंद कमरों के पीछे अपने 'स्टेट/ सिटी' जूनिअर्स को बस इतना ही कहते हैं ,- " **सुना है न ! इस बार इलेक्शन में अपना आदमी खड़ा हो रहा है ." मनिफेस्टो की बात तो बस दिखावा है, ऑडी डिबेट से पहले ही यह निश्चित हो जाता है कि कौन सरगना किस पाले में अपने वोटों के साथ खड़ा है."**

शायद इसी उदासीनता का ये नतीजा है कि हर मनिफेस्टो में जो जनता से वादे किए जाते हैं, वे हमेशा ' पाइपलाइन' में ही रह जाते हैं . 'internationalization of APOGEE', ' N.C.C. training', 'Redbus Services', ' Cafe Coffee Day' और 'International Relations Unit' जैसी बढ़-चढ़कर की गई घोषणाएँ या तो शुरू ही नहीं हुईं या फिर उनका फायदा यूनियन के कुछ 'करीबी लोग' उठा रहे हैं. हाँ , ये ज़रूर हुआ है कि पिछले दो वर्षों में कुछ ' ख़ास दोस्तों' ने पाँच-दस क्लब और खोले हैं, departments की शान 'OASIS' का बजट कई गुना बढ़ा है और 'स्टेट कल्चरल एस्सोसिएशन' की संख्या और कार्यक्रमों का स्तर ज़बरदस्त रूप से बढ़ा है.

इन सबके बावजूद आम आदमी का छात्र यूनियन से कितना सरोकार रहा है? रेलवे कन्सेशन फॉर्म एवं बस रिजर्वेशन को छोड़कर कितनी बार लोग यूनियन के सीधे संपर्क में आते हैं ? मेरा कहना यहाँ ग़लत नहीं है कि किसी भी छात्र या छात्रा के बिट्सियन जीवन को समृद्ध करने के सन्दर्भ में यूनियन का रिपोर्ट कार्ड काफ़ी निराशाजनक रहा है.

नितेश और रचित दोनों ही बिट्स में काफ़ी प्रभावशाली एवं आकर्षक व्यक्तित्व वाले छात्र रहे हैं. दोनों ने ही यूनियन को आम आदमी की ज़रूरतों से जोड़ने का संकल्प लिया है. ये अच्छी बात है कि साफ़ सुथरी छवि वाले लोग आज राजनीति में सक्रिय हिस्सा ले रहे हैं. रवि तेजा और पवन चंद्र ने भी सामाजिक सुधार से जुड़ी संस्थाओं में ज़िम्मेदारी के पदों पर काम किया है.

प्रश्न ये उठता है कि कल जनता के नेता बनने के बाद ये कहाँ तक जनता की नब्ज़ को पहचान सकेंगे? कल को इनसे काम करवाने के लिए हमें भी इनके ख़ास दोस्तों की सिफारिश तो नहीं चाहिए होगी? क्या ये पिछली यूनियन द्वारा किए गए वादों को कभी साकार करेंगे?

" सिर्फ़ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं.
मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए "

शैलेश झा

चुनाव आयोग से एक मुलाक़ात

सवाल: *चुनाव आयोजित करने के अलावा, साल भर चुनाव आयोग की और कौन सी जिम्मेदारियाँ हैं?*
चुनाव आयोजित करने के अतिरिक्त हम बिट्स के संविधान का संरक्षण करते हैं. हम आम चुनाव के साथ ही क्लब - डिपार्टमेन्ट में STUCCA के सदस्यों एवं क्लब के सचिवों के चयन का काम भी देखते हैं.कई बार किन्हीं कारणों से हमें उप-चुनाव भी करवाने का काम भी देखना पड़ता है.

सवाल: *क्या यह एक विचित्र बात नहीं है के आप चुनाव आयोग में सदस्यों को नोमिनेट करते हैं जबकि आप स्वयं जनतंत्र के रक्षक हैं?*
हम समझते हैं कि हमारा चुनाव आयोग में नोमिनेटेड सदस्यों को लेना हमें सीधे रूप से जनता की ओर जवाबदेह होने से बचाता है. कई बार हमें जनहित में कुछ कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं जो निर्वाचित सदस्य उतनी आज़ादी से नहीं ले सकते . कोई भी इच्छुक बन्दा अगर आकर हमसे चुनाव आयोग की सेवा करने की ख्वाहिश ज़ाहिर करे तो हम उसे न नहीं कहते. लेकिन चुनाव आयोग के सदस्यों के लिए चुनाव कराना हम तर्कसंगत नहीं समझते.

सवाल: *प्रतिबंधित प्रत्याशी नितेश कुमार सिंह का कहना है कि उन्हें किस गलती की सज़ा दी गई है, वह उन्हें ठीक से मालूम नहीं है. क्या ये सच है?*
देखिये,हमें जो लोग गुप्त रूप से उम्मीदवारों के ग़लत कामों के बारे में बताते हैं, उनकी खैरियत की ज़िम्मेदारी भी हमारी है.इस कारण हम इल्जाम से जुड़े हर पहलू और आरोप से जुड़ी हर सच्चाई का खुलासा नहीं कर सकते.

सवाल: *ये आम चुनाव पिछले चुनावों के मुकाबले किस तरह अलग हैं?*
इस बार चुनाव में लोगों ने हमसे उम्मीदवारों द्वारा कानून तोड़ने की शिकायत की है. 'Anti Campaigning' की वारदातें बढ़ रही हैं. हमने इस बार सिर्फ़ एक Audi Debate का इंतज़ाम किया है. एक जनसभा SAC में 28 अगस्त को आयोजित होगी.

सवाल: ***'Anti Campaigning'*** *की क्या परिभाषा है?*
जब तक उम्मीदवार अपने बारे में बात करके और अपने घोषणापत्र के ज़रिये लोगों को अपनी ओर लेने की कोशिश करता है, तब तक वह कानून के दायरे में है, जब वह दूसरों से तुलना करके, या उनके चरित्र पर कीचड़ उछालकर यही काम करे तब वह 'Anti Campaigning' है.

सवाल: *अगर कोई यूनियन का सदस्य काउंसिल में आकर भ्रष्ट या असंवैधानिक व्यव्हार करे ,तो इस स्थिति में चुनाव आयोग क्या करता है?*
यूनियन के किसी भी सदस्य को उसके पद से हटाया जा सकता है. चुनाव आयोग और सी.आर.सी इस बात का ख्याल रखते हैं कि किसी भी प्रकार यूनियन का कोई सदस्य संविधान के विरुद्ध आचरण न करे या पैसों का हेर-फेर न करे.

AaDI iDbaT

हर वर्ष की तरह इस बार भी Audi Debate की शुरुआत जोर शोर से हुई | सबसे पहले सारे उम्मीदवारों ने अपने अपने manifesto के प्रमुख बिन्दुओं पर प्रकाश डाला एवं लोगों को अपने पक्ष में वोट देने के लिए प्रेरित किया |

नितेश से सबसे पहले प्रेज़ के काम को निरीक्षित करने के सम्बन्ध में प्रश्न पूछा गया जिसके उत्तर में उन्होंने कहा कि एक कार्यकारिणी समिति बननी चाहिए एवं सही कार्य न करने की स्तिथि में उन्हें बर्खास्त भी किया जा सके |

पवन ने clubs की बढती संख्या के विषय में प्रश्न पर कहा कि यह छात्रों के विकास में सहायक ही हैं | परन्तु उन्हें clubs की सही संख्या का ज्ञान नही था एवं उनमे फाइनेंस की बात भी वे टाल गए |

रचित चंद्रा से जब यह पूछा गया कि सत्र के बीच में छात्रों की परेशानियों का समाधान कैसे हो तो उन्होंने कहा कि इसी के लिए SU बनाया गया है व् feedback cell बहुत प्रशंसनीय कार्य कर रहा है |

रवि ने खूब तालियाँ बटोरीं जब उन्होंने कहा कि वे H Rep से मदद कि आशा कर सकते हैं पर उन्हें आदेश नही दे सकते | पवन को EC की ओर से चेतावनी भी मिली जब उन्होंने एक सदस्य को ISEC card के विषय में ignorant कहा | रचित से SAC के समय को बढाने के सन्दर्भ में एक अजब मोड़ तब आया जब उन्होंने कहा की उन्हें 11 बजे तक की अनुमति मिल गई है परन्तु पैनल ने कहा की उन्हें तो सूचना मिली कि 10 बजे के बाद अनुमति नहीं दी गई है |

रवि तेजा भी मीरा स्टोर के विषय में किसी प्रोफ़ेसर की सहमति नहीं दिखा पाए |

नीतेश व् रचित में कंप्यूटर में discount पर तो प्रतियोगिता सा माहौल बन गया था | इसी गहमा गहमी में नीतेश को रचित पर टिप्पणी करने से रोका गया |

रचित से जब पूछा गया की उन्होंने परमानेंट bits id के बारे में IPC में बात की है तो वे कुछ जवाब न दे सके|

ISO प्रमाणपत्र के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा की जब यह IITs के पास है तो bits के पास क्यों नहीं हो सकता ..उनके इस कथन पर काफी तालियाँ बजीं |

कुल मिला कर यह कार्यक्रम अपने प्रयोजन में पूरी तरह सफल रहा एवं bitsian जनता ने दिखा दिया की वह आम भारतीय जनता की तरह अपनी आँख पर पट्टियाँ बाँध कर अपने नेता नहीं चुनती |

अवंत,अनुभा

संपादक : लोकेश राज

सह संपादक : शैलेश,नित्य,प्रतीक, पुष्प

संवाददाता : हर्ष,प्रेम,अवंत,अनुभा,कुलदीप,सौरभ,विकल्प,सुखद

आभार : राज,निरुपम,सुरभि,विवेक,प्रगति,उज्जवल,स्नेहिल,अभिराज

हमें मेल करें : hpc.bits@gmail.com www.bits-hpc.co.nr